बयाना क्षेत्र में वन विभाग की टीम पर खनन माफिया ने हमला किया, फॉरेस्टर घायल

हमले में कोट नाके के फॉरेस्टर भगवान सिंह के पैर में फ्रैक्चर आया है, हवाई फायरिंग भी की

- कौड़ापुरा गांव के पास डांग इलाके की पाट की खिरकारी में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची थी वन विभाग की टीम
- जानलेवा हमले में अन्य वनरक्षक भी चोटिल हुए हैं, वन विभाग की गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया है

भरतपुर, (निसं)। जिले के बयाना क्षेत्र में खनन माफिया के हौसले एक बार फिर बेखौफ नजर आए। कौड़ापुरा गांव के पास डांग इलाके की पाट की खिरकारी में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची वन विभाग की टीम पर खनन माफियाओं ने हमला कर दिया। हमले में कोट नाके के फॉरेस्टर भगवान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनके पैर में फ्रैक्चर आया है। अन्य वनरक्षक भी चोटिल हुए हैं। वन विभाग की गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया है।

जानकारी के अनुसार वन विभाग को डांग इलाके में अवैध खनन की सूचना मिली थी। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और अवैध खनन में प्रयुक्त एक कंप्रेसर जब्त कर वापस लौट रही थी। तभी बीच रास्ते में करीब 50 की संख्या में एकराय होकर आए खनन माफियाओं ने टीम को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। आरोप है कि माफियाओं ने हवाई फायरिंग भी की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

घायल फॉरेस्टर भगवान सिंह ने बताया कि हमलावरों ने उनके पैर पर पत्थर मारकर घायल कर दिया। पहले उन्हें बयाना अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने पैर में गंभीर चोट देखते हुए उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल उनका उपचार आरबीएम अस्पताल में चल रहा है। अन्य घायल वनकर्मियों का भी इलाज जारी है। वन विभाग की ओर से गढ़ी बाजना थाने में मामला दर्ज करा दिया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही गढ़ी बाजना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बयाना एएसपी रामगोपाल बसवाल भी घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने डांग इलाके में आरोपियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है, लेकिन अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

गौरतलब है कि भरतपुर संभाग में अवैध खनन लंबे समय से गंभीर समस्या बना हुआ है। कार्रवाई करने जाने वाली टीमों पर हमले की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से खनन माफिया पर नकेल कसने की मांग की है।

अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए तथा डोडा-पोस्त बरामद

दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

जालोर, (निसं)। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बालोतरा और हनुमानगढ़ जिले में कार्रवाई करते हुए 229 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए तथा 18.260 किलोग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया है। दोनों मामलों में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एएनटीएफ के अनुसार पहली कार्रवाई में जालोर व बालोतरा जिले के धोरीमन्ना थाना क्षेत्र में एएनटीएफ टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की। सूचना के आधार पर एनएच-68 के पास एक युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 229 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी जगदीश कुमार पुत्र चुन्नीलाल विश्नोई, निवासी बरसल की बेरी, थाना चितलवाना, जिला जालोर, हाल मेडजी, थाना सेडवा क्षेत्र को गिरफ्तार किया।

दूसरी कार्रवाई हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा थाना क्षेत्र में की गई। एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि तीन युवक पीठ पर बैग लेकर बस अड्डा पीलीबंगा की ओर जा रहे हैं। सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। बस अड्डा परिसर में तलाशी के दौरान तीनों युवक मौके पर नहीं मिले। पुलिस ने आसपास तलाश की तो तीनों युवक पीठ पर बैग लेकर रेलवे रोड की ओर जाते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर युवकों ने गली में घुसने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान सुखजीत सिंह, सुखविन्द्र सिंह तथा अरमान सिंह उर्फ अनमोल के रूप में हुई। तीनों की पीठ पर रखे बैग की तलाशी लेने पर 18.260 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। एएनटीएफ अधिकारियों के अनुसार दोनों मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

लोहावट तहसील के बीडीओ के घर में एसीबी को डेढ़ करोड़ का सोना मिला

- एसीबी को जयपुर में दो प्लॉट के डॉक्युमेंट भी मिले हैं, जो पिता के नाम से लिए हुए हैं
- एसीबी ने भीनासर चेकिंग पॉइंट पर बीडीओ की कार से 8.14 लाख रु. बरामद किए थे, बाद में जांच की
- बीडियो के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है

बीकानेर, (निसं)। फलोदी जिले की लोहावट तहसील के विकास अधिकारी नारायण सुथार के बीकानेर स्थित घर से एसीबी को एक किलो सोना मिला। इसके अलावा जयपुर में दो प्लॉट के डॉक्युमेंट मिले हैं, जो पिता के नाम से लिए हुए हैं।

एसीबी ने भीनासर चेकिंग पॉइंट पर बीडीओ की कार से 8.14 लाख रुपए बरामद किए थे। इसके बाद एसीबी ने विश्वकर्मा क्षेत्र स्थित उनके घर पर सर्च किया था। शाम सात बजे से शुरू हुई छापेमारी रात एक बजे तक चली। एसीबी की स्थानीय चौकी ने पूरे मामले की रिपोर्ट जयपुर मुख्यालय भेज दी है। अब मुख्यालय से जांच अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। बीडियो के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

एसीबी के एएसपी आशीष कुमार ने बताया कि एसीबी को शुक्रवार शाम को सूचना मिली थी कि फलोदी जिले की लोहावट तहसील के बीडीओ नारायण सुथार की गाड़ी में करीब 8 लाख रुपए की नकदी है। इसके आधार पर एसीबी टीम ने भीनासर के पास ट्रैफिक पॉइंट पर गाड़ियों की जांच शुरू की। चेकिंग के दौरान बीडीओ नारायण सुथार की कार वहां पहुंची, जिसे एसीबी टीम ने रोककर तलाशी ली। तलाशी में एक बैग से 8 लाख 14 हजार रुपए बरामद हुए। पूछताछ में बीडीओ ने बताया कि ये रुपए उनके एक दोस्त के हैं, जो किसी को देने के लिए जा रहा था। हालांकि उनके इस दावे से एसीबी संतुष्ट नहीं हुई। इसके बाद उनके घर पर भी सर्च किया गया, जहां से 1 किलो सोना मिला, जिसकी अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। इसके अलावा टीम को जयपुर में 2 प्लॉट के दस्तावेज भी मिले। इनकी कीमत का आकलन किया जा रहा है। एसीबी के एएसपी आशीष कुमार ने बताया कि बीडियो नारायण सुथार रात को कार से मिले रुपयों को लेकर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। घर से मिले एक किलो सोने और प्लॉट के दस्तावेजों को लेकर भी संतोषजनक जानकारी नहीं दी है। ऐसे में मामले की विस्तृत जांच के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।

एबीसी ने बताया कि यह कार्रवाई अचानक निरीक्षण के तहत की गई थी। इसी कारण बीडियो नारायण सुथार को डिटेन किया गया था, उनकी गिरफ्तारी नहीं की गई थी। आवश्यकता पड़ने पर एसीबी की ओर से आगे की कार्रवाई की जाएगी। एएसपी आशीष कुमार ने बताया कि पूरे मामले की रिपोर्ट जयपुर स्थित मुख्यालय को भेजी गई है। मुख्यालय स्तर से जांच अधिकारी तय होने के बाद मामले की आगे की जांच की जाएगी। फिलहाल बीडियो के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है।

जोधपुर की फैक्टरी में लगी आग में झुलसे एक फायर फाइटर की मौत

- फैक्टरी में आग के दौरान केमिकल से भरे ड्रमों में ब्लास्ट से फायर ब्रिगेड के 14 कर्मचारी झुलस गए थे
- महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती अन्य सात लोगों में 3 वेंटिलेटर और 4 ऑक्सीजन पर हैं

जोधपुर, (कासं)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक कॉलोनी स्थित एक केमिकल फैक्टरी में गत बुधवार शाम को हुई आगजनी की घटना में झुलसे एक फायर फाइटर प्रीतेश प्रजापत की सुबह एमजीएच में मौत हो गई। उसकी मौत की खबर फैलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया और शव को उठाने से इंकार कर दिया। इधर सुबह केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एमजीएच पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम पूछने के साथ उनके परिजन से मुलाकात की। शेखावत के अस्पताल पहुंचने के समय अस्पताल अधीक्षक फतेहसिंह भाटी और स्टाफ भी मौजूद रहा। वहीं आवश्यक दिशा निर्देश भी केंद्रीय मंत्री ने दिए।

जानकारी के अनुसार आग में झुलसे छह फायर फाइटर्स को गुरूवार को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जयपुर भेजा गया था। गत बुधवार शाम को फैक्टरी में आग के दौरान केमिकल से भरे ड्रमों में ब्लास्ट से फायर ब्रिगेड के 14 कर्मचारी झुलस गए थे। इनमें से 6 फायर फाइटर्स को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एंबुलेंस से महात्मा गांधी हॉस्पिटल से जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया है। एंबुलेंस में हर मरीज के साथ एक-एक डॉक्टर और एक-एक नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा। इधर फैक्टरी मालिक के पुत्र को बासनी पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस संबंध में मानव जीवन संकट में डालने का केस दर्ज किया था।

महात्मा गांधी हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट डॉक्टर फतेहसिंह भाटी ने बताया कि अभी 12 लोगों का इलाज चल रहा है। मोहम्मद हनीफ, प्रकाश, जोगाराम, आशिक खान, प्रेम तम्बोली और अविनाश को जयपुर भेजा गया है। वहीं महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती अन्य सात लोगों में 3 वेंटिलेटर और 4 ऑक्सीजन पर हैं। जब झुलसे हुए 6 फायर फाइटर्स को शिफ्ट किया जा रहा है, उस दौरान इनमें से एक की मां बेसुध हो गई।

थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि आगजनी की घटना के बाद फैक्टरी मालिक चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 11 निवासी स्पर्श पुत्र राजेंद्र को फिलहाल शांतिभंग में पकड़ा गया है। श्रमिक कॉलोनी में आवासीय क्षेत्र में इस फैक्टरी को संचालित किया जा रहा था। आरोपी का पिता फरार है और बेटा पुलिस अभिरक्षा में चल रहा है।

हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी में आग के दौरान केमिकल से भरे ड्रमों में ब्लास्ट के बाद आसपास रहने वाले लोगों को घर खाली कर रिश्तेदारों के यहां जाना पड़ा है। रात रिश्तेदारों के ही बिताई। गुरुवार सुबह लोग घरों पर वापस आए तो आसपास के इलाकों में केमिकल की गंध इतनी ज्यादा है कि घर के पास खड़े भी नहीं हो पाए। परिवारों को वापस रिश्तेदारों के पास भेजना पड़ा। वहीं घटना के आसपास के करीब 20 मकानों को खाली करवाया गया है। आग की वजह से फैक्टरी से सटे मकानों की दीवारों में दरारें आ गई। ब्लास्ट इतना भयंकर था कि फैक्टरी के आरसीसी की छत तक टूटकर गिर गई। आग लगने के बाद सभी घरों को खाली करवा दिया गया था।

निर्माणाधीन मकान में युवक ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के रामसागडा गांव में एक युवक ने निर्माणाधीन मकान में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर रामसागडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

रामसागडा निवासी मगन खाट ने बताया कि उनके छोटे बेटे ईश्वर ने अपने निर्माणाधीन मकान में बल्ली पर फंदा लगाकर जान दे दी। ईश्वर सड़क किनारे बने अलग मकान में परिवार के साथ रहता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा और एंबुलेंस से जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

रामसागडा थाना के एएसआई विद्याशंकर ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत-अमेरिका युद्ध अभ्यास में स्काई स्टाइकर ने दुश्मनों के ठिकाने उड़ाए

"युद्ध अभ्यास-2026" भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास का 22वां संस्करण है

बीकानेर, (निसं)। जिले के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और अमेरिकी आर्मी के बीच "युद्ध अभ्यास-2026" चल रहा है। इसमें नई टैक्नोलोजी, ड्रोन और दुश्मन के ठिकाने पर सटीक प्रहार की क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। अभ्यास के दौरान लोइटरिंग म्यूनिशन ने महाजन रेंज में निर्धारित लक्ष्य पर सटीक प्रहार कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

यह लक्ष्य क्षेत्र के ऊपर उड़ते हुए निर्धारित क्षेत्र में निगरानी कर सकता है। ऑपरेटर/सिस्टम लक्ष्य को निर्धारित करता है। सटीक हमला स्काई स्टाइकर लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ता है और वारहेड के जरिए प्रहार करता है। हमला करने के बाद सिस्टम वापस नहीं लौटता। ये मानवरहित प्रणाली है, इससे दुश्मन के ठिकाने पर सटीक लक्ष्य भेजा जा सकता है। लक्ष्य क्षेत्र में कुछ समय तक मंडराने की क्षमता है। पारंपरिक हथियारों की तुलना में लक्ष्य के बेहद करीब जाकर हमला करने की क्षमता है। युद्ध अभ्यास-2026 में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज पर इसका प्रदर्शन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे भारतीय सेना के अभ्यास में आधुनिक मानवरहित और सटीक प्रहार वाली तकनीक के इस्तेमाल को प्रदर्शित किया गया। इस वर्ष के युद्ध अभ्यास में तकनीक को खास महत्व दिया गया है। महाजन रेंज में आधुनिक हथियार प्रणालियों के प्रदर्शन के साथ ड्रोन और ऑटोनॉमस सिस्टम के जरिए निगरानी, लक्ष्य पहचान और युद्धक्षेत्र में प्रतिक्रिया की क्षमताओं का अभ्यास किया जा रहा है।

"युद्ध अभ्यास-2026" भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास का 22वां संस्करण है। इसकी शुरुआत 15 सितंबर को हुई थी और अभ्यास उत्तराखंड के औली और राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक साथ चल रहा है।

दोनों देशों के करीब 600-600 सैन्यकर्मी इसमें भाग ले रहे हैं। अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी, संयुक्त योजना और कई परिस्थितियों में समन्वित सैन्य अभियानों की क्षमता को मजबूत करना है। महाजन में चल रही गतिविधियों में आर्टिलरी फायरिंग से लेकर रॉकेट सिस्टम, अटैक हेलीकॉप्टर, एयर डिफेंस और ड्रोन-विरोधी प्रणालियों तक का संयुक्त इस्तेमाल दिखाई दे रहा है। सटीक प्रहार इसी तकनीक-केंद्रित प्रशिक्षण का एक प्रमुख प्रदर्शन रहा।

सूने मकान से लाखों के जेवर और नगदी चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र में सूने मकान में चोरों ने सैंध लगाकर लाखों के जेवरात, नगदी, लैपटॉप और मोबाइल चोरी कर ले गए। घर की मालकिन की तरफ से इस बारे में अब पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है।

प्रतापनगर सदर पुलिस ने बताया कि सी-60 महालक्ष्मी स्कूल के नजदीक रहने वाली नीलू दइया पत्नी चंद्र प्रकाश भाटी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 19 से 25 सितंबर के बीच उसका घर सूना था। इस बीच अज्ञात चोरों ने घर में सैंध लगाकर वहां से सोने के कंगन, चेन, लूंग जोड़ी, चांदी की पायल, कंगन और च्लास आदि के साथ दो मोबाइल, एक लेपटॉप और कुछ नगदी चोरी कर ले गए। घटना को लेकर पुलिस ने मौका मुआयना किया और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान के साथ तलाश आरंभ की है। प्रतापनगर सदर थानाधिकारी सुंदरकला की तरफ से जांच की जा रही है।

सीएम ने पंचायत चुनाव को लेकर प्रतापगढ़ में कार्यकर्ताओं की बैठक ली

पंचायत चुनाव में शत प्रतिशत जीत के लक्ष्य के साथ जुटें कार्यकर्ता : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रतापगढ़ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

प्रतापगढ़/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं में निहित है। कार्यकर्ताओं की संकल्प, समर्पण और मेहनत के बल पर ही बीजेपी को निकाय चुनाव में शानदार जीत मिली है और अब आगामी पंचायत चुनाव में शत प्रतिशत जीत के लक्ष्य के साथ काम करना है। प्रत्येक ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद वार्ड में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ता अभी से पूरी ताकत के साथ जुट जाएं।

मुख्यमंत्री शनिवार को प्रतापगढ़ में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाते हुए चुनावी रणनीति की कमान संभालनी होगी। ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद वार्ड की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में सक्रिय किया जाए। नगरीय निकायों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को भी पंचायत चुनाव की जिम्मेदारियां दी जाएं, ताकि संगठन की पूरी शक्ति के साथ चुनावी मैदान में उतरकर प्रत्येक सीट पर जीत का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा में संगठन के सामान्य कार्यकर्ता को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने अपने संबोधन में पार्टी के विभिन्न वरिष्ठ नेताओं के राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि अनेक नेता कार्यकर्ता के रूप में संगठन में सक्रिय रहे और आगे चलकर विधायक, सांसद एवं मंत्री बने। यही भाजपा संगठन की विशेषता है कि समर्पित कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वन स्टेट, वन इलेक्शन की दिशा में आगे बढ़ने से बार-बार होने वाले चुनावों में लगने वाला समय और संसाधन बचेंगे तथा सरकार एवं प्रशासन को विकास कार्यों पर अधिक समय देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से सरकारी मशीनरी और सार्वजनिक संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ता है। एक साथ चुनाव होने से बचने वाले संसाधनों का उपयोग विकास कार्यों में किया जा सकेगा।

अलवर मेडिकल कॉलेज की मैस में 70 किलो खाद्य सामग्री में इल्लियां मिलीं

खाद्य सामग्री में इल्लियां मिलने के बाद टीम ने सामान को मौके पर ही नष्ट करवा दिया

- जांच के दौरान मैस में फंगस लगी पुरानी ब्रेड और पाव भी मिले, टीम ने इन्हें भी मैस से हटवाया
- खाद्य सुरक्षा टीम ने वहां इस्तेमाल किए जा रहे सोयाबीन तेल और मसाले के एक-एक नमूने लिए

अलवर के चिकित्सा महाविद्यालय की मैस में आटा, मैदा, बेसन और मूंग दाल में इल्लियां मिलीं।

अलवर, (निसं)। अलवर के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की मैस में जांच के दौरान करीब 70 किलो खाद्य सामग्री में इल्लियां मिलीं। साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली, जिसके चलते मैस संचालक को नोटिस दिया गया।

जानकारी के अनुसार अलवर स्वास्थ्य विभाग की ओर से राजकीय और निजी अस्पतालों के अंदर और आसपास चल रहे रेस्टोरेंट व अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों की लगातार जांच की जा रही है। इसी अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को जेल सर्किल स्थित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की मैस का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मैस में रखी खाद्य सामगग्री की स्थिति देखकर टीम भी हैरान रह गई।

सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल ने मैस में रखे खाने-पीने के सामान की जांच की। इस दौरान करीब 70 किलो आटा, मैदा, बेसन, अरहर दाल और मूंग दाल में इल्लियां मिलीं। खाद्य सामग्री में इल्लियां मिलने के बाद टीम ने इन सभी सामान को मौके पर ही नष्ट करवा दिया, ताकि इनका इस्तेमाल खाने में न किया जा सके। जांच के दौरान मैस में फंगस लगी पुरानी ब्रेड और पाव भी मिले। टीम ने इन्हें भी मैस से हटवाया और मौके पर ही नष्ट करा दिया। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने वहां इस्तेमाल किए जा रहे सोयाबीन तेल और मसाले के एक-एक नमूने लिए। दोनों नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर स्थिति और साफ होगी।

निरीक्षण के दौरान मैस में साफ-सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। खाद्य सुरक्षा टीम ने इस पर मैस संचालक को नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पतालों और उनके आसपास खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर इस तरह की जांच आगे भी जारी रहने की बात कही गई है।

टेल्को सर्किल के समीप एक रेस्टोरेंट की किचन में भी साफ-सफाई ठीक नहीं मिली। संचालक को नोटिस देने के साथ रेस्टोरेंट से सर्विलांस के तहत दो नमूने लिए गए। भगत सिंह सर्किल के पास एक रसोई से सोयाबीन तेल तथा आसपास के ढाबों से लाल मिर्च पाउडर और दही के नमूने जांच के लिए लिए गए। संबंधित प्रतिष्ठानों को साफ-सफाई सुधारने के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किए गए। इस दौरान केशव गोयल, विश्व बंधु गुप्ता, जयसिंह यादव, अशोक लखेरा, नीरज रावत, अंजली मीणा, अलका, नितेश और राजेश पूनिया मौजूद रहे।

हादसे में व्याख्याता की मौत

पाटन, (निसं)। जीलो-नीमकाथाना मार्ग पर रामनगर के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में श्यामपुरा राजकीय विद्यालय के भौतिक विज्ञान के व्याख्याता नरेश सैनी (37) की मौत हो गई। हादसे की खबर से शिक्षा जगत और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार नरेश सैनी विद्यालय में छुट्टी होने के बाद मोटरसाइकिल से अपने घर नीमकाथाना छावनी लौट रहे थे। इसी दौरान रामनगर के पास टाटा 407 वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद नरेश सैनी गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें उपचार के लिए राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। साथी शिक्षकों के अनुसार नरेश सैनी सामान्य तौर पर क्रेटा गाड़ी से विद्यालय आना-जाना करते थे, लेकिन हादसे वाले दिन वह मोटरसाइकिल से स्कूल गए थे। नरेश सैनी मूल रूप से सिरोही, नीमकाथाना के रहने वाले थे और पिछले करीब 40 वर्षों से नीमकाथाना छावनी में रह रहे थे।

नरेश सैनी के पिता झाबरमल सैनी टाइल मिस्त्री का कार्य करते हैं। नरेश सैनी अपने पीछे माता-पिता, पत्नी, दो बेटियां तथा एक दो वर्षीय बेटे को छोड़ गए हैं। उनकी बेटियों की उम्र छह और चार वर्ष बताई गई है।हादसे की सूचना मिलते ही विद्यालय परिवार, साथी शिक्षक और क्षेत्रवासी राजकीय अस्पताल पहुंचे। नरेश सैनी के आकस्मिक निधन से शिक्षा जगत में गहरा शोक व्याप्त है।

नाबालिग ने की आत्महत्या

तारानगर, (निसं)। तारानगर कस्बे के एक निजी स्कूल में अध्ययनरत 16 वर्षीय नाबालिग ने शिक्षक की प्रताड़ना से तंग आकर हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना को लेकर पिता की ओर से शिक्षक के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने अनुसार नोपाराम पुत्र हीराराम मेघवाल निवासी दलूसर, भानीपुरा चूरू ने रिपोर्ट दी कि उसका पुत्र तरुण (16) जो टैगोर स्कूल में कक्षा 12 में अध्ययनरत था और गुरुदेव छात्रावास में रह रहा था। स्कूल के गणित विषय के अध्यापक मुकेश पूनिया निवासी ढाणी पूनिया तहसील राजगढ़ आए दिन खुद के हॉस्टल में ले जाने के उद्देश्य से बार बार प्रताड़ित करता था।